मोमासर 8 अप्रेल : युवाचार्य महाश्रमण ने अपने नित्य प्रवर्चन में तामसिक धृति के बारे में बताते हुए कहा की इस धृति में इन्सान गलत बातों को धारण करता है । नींद ज्यादा लेना, नींद में बुरे सपने देखना यह तामसिक धूति के कारण होता है । इन्सान शौक करता है शौक करना एक विकार है जो तामसिक धृति का ही एक रूप है । युवाचार्य ने कहा मद, उन्माद, अहंकार ये विकार है इन्सान को अंहकार से दूर रहना चाहिए । अहंकार किसी को भी हो सकता है धन का हो, ज्ञान का हो या सत्ता का लेकिन इन्सान को चाहिए की वह अहंकार से दूर रहे । अंहकार के कारण आदमी ना किसी की सुनता है और ना ही किसी का सम्मान करता है । जो इन्सान अपने भीतर के अज्ञान को पहचान लेता है वह सबसे बडा ज्ञानी होता है । इस अवसर पर अंकित सेठिया ने गितिका प्रस्तुत की ।

राष्ट्रसंत ने राष्ट्रीय समस्या पर की बातचीत

नक्सलवाद का शक्ति से उन्मूलन स्थाई समाधान नहीं - आचार्य महाप्रज्ञ

मोमासर 8 अप्रेल : राष्टसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने नक्सलवादी हमलों के बाद सरकार द्वारा किये जा रहे शक्ति प्रयोग को सामयिक समाधान बताते हुए कहा की नक्सलवाद का शक्ति से उन्मूलन का स्वप्न स्थाई समाधान नहीं होगा । इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए समृद्ध वर्ग और गरीबी तथा गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिताने की समस्या का समाधान खोजना होगा और अमीरी गरीबी के बीच बढती दूरी को कम करने का प्रयास करना होगा ।

आचार्य महाप्रज्ञ नक्सलवाद की समस्या पर मिडिया प्रतिनिधियो से बातचीत कर रहे थे । उन्होने कहा कि नक्लवादियों द्वारा 76 जवानों की हत्या के बाद एक प्रश्न उनसे बार बार पुछा जा रहा है कि प्रांतिय सरकारों और केन्द्र सरकार को क्या करना चाहिए । मुझे लगता है इस प्रश्न का उतर देने से पहले अतीत की और झांकना अधिक संगत होगा । उन्होने कहा कि नक्सलवाद एक दिन में इतना शक्तिशाली नहीं बना कि है वह सुरक्षा बलों की रणनीति को प्रभावहीन कर सकें । इस प्रश्न पर ध्यान देना अधिक महत्वपूर्ण है कि नक्सलवाद क्यों पनप रहा है । उसे शक्ति कहां से मिल रही है इस प्रश्न पर गंभीरता से चिंतन किया जाये तो सही समाधान मिल सकता है । अहिंसा यात्रा के दौरान नक्सलवादी बहुल इलाकों का अध्ययन करने वाले आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि सामाजिक और आर्थिक विषमता की अति हो रही है । इस अतिवाद से नक्सलवाद को बल मिल रहा है ।